**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**23.03.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3346 का उत्तर**

**उच्च अश्व शक्ति के डीजल इंजन**

**3346. श्री दर्शन सिंह यादवः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकर यह दावा कर रही है कि देश में संपूर्ण रेल मार्ग का वर्ष 2022 तक विद्युतीकरण कर दिया जाएगा;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने उच्च अश्व शक्ति के 1000 डीजल इंजनों का विनिर्माण करने के लिए जनरल इलेक्ट्रिक अमेरिका के साथ 2.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं;

(ग) यदि हां, तो 2022 के बाद उन डीजल इंजनों का क्या होगा जब देश भर में सामान तथा यात्रियों की आवाजाही के लिए बिजली के इंजनों का प्रयोग किया जाएगा; और

(घ) इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का क्या औचित्य है जबकि डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी पहले से ही ई.एम.डी. के सहयोग से उच्च अश्व शक्ति वाले डीजल इंजनों का विनिर्माण कर रहा है?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

1. से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**\*\*\*\*\*\*\***

उच्च अश्व शक्ति के डीजल इंजन के संबंध में 23.03.2018 को राज्‍य सभा में श्री दर्शन सिंह यादव के अतारांकित प्रश्‍न सं. 3346 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण**।

1. जी हां। रेल मंत्रालय ने 100% विद्युतकरण को हासिल करने के लिए शेष 38000 बड़ी लाइन मार्ग किलोमीटर को विद्युतीकृत करने का निर्णय किया है। तदनुसार नीचे दिए गए अनुसार कार्य-योजना बनाई गई हैः

|  |  |
| --- | --- |
| वर्ष | मार्ग कि.मी, जिसके लिए विद्युतीकरण की योजना बनाई गई है |
| 2017-18 | 4000 |
| 2018-19 | 6000 |
| 2019-20 | 7000 |
| 2020-21 | 10500 |
| 2021-22 | 10500 |
| कुल | 38000 |

100% विद्युतीकरण के लिए शेष 38000 बड़ी लाइन मार्ग कि.मी में से, 2018-19 के बजट में 13675 मार्ग कि.मी का ऐसा कार्य शामिल किया गया है, जो स्वीकृत नहीं है। इन कार्यों का कार्य निष्पादन, इनके लिए संविधिक और अनिवार्य अनुमोदन मिल जाने पर शुरु किया जाएगा।

1. रेलमंत्रालय ने मैसर्स जीई डीजल लोकोमोटिव इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक खरीद और अनुरक्षण करार किया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ 1000 हाई हॉर्स पावर डीजल लोकोमोटिवों की खरीद भी शामिल है।
2. इनरेल इंजनों का इस्तेमाल परिवहन की आपातकालीन तथा स्ट्राटेजिक जरुरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
3. माल तथा यात्री यातायात की मात्रा में वृद्धि होने के कारण, ज्यादा यातायात की मात्रा को ढोने के लिए लोकोमोटिवों की आवश्यकता बढ़ने का अनुमान है। XI योजना (2007-12) के दौरान 1800-1800 डीजल और इलैक्ट्रिक प्रत्येक लोकोमोटिवों की आवश्यकता का आकलन किया गया है।

भारतीय रेलों के पास एक डीजल लोकोमोटिव विनिर्माण यूनिट अर्थात डीजल लोकोमोटिव वर्क्स वाराणसी है, जो प्रति वर्ष 150 डीजल लोकोमोटिवों का विनिर्माण करता है। डीएलडब्ल्यू की संवर्धित क्षमता 200 लोको प्रति वर्ष आकलित की गई है और आवश्यकता तथा संभावित क्षमता के बीच प्रति वर्ष 150 से ज्यादा लोको का अन्तर रह जाता है। वैकल्पिक स्त्रोत अर्थात आयात करना मंहगा होने का अनुमान है। तदनुसार, मढ़ौरा में डीजल लोकोमोटिव के उत्पादन के लिए एक नई सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया था।

डीरेका में उत्पादन किए गए डीजल लोकोमोटिव अधिकतम 4000 एचपी के हैं। 25/32.5 टी एक्सल लोड के लोकोमोटिव शामिल किए जाने की संभावना तथा उच्चतर गति पर ज्यादा भार वाली गाड़ियों को चलाए जाने की आवश्यकता को देखते हुए, यह अनुमान लगाया गया है कि बेहतर ईंधन कुशलता, अनुरक्षण क्षमता तथा विश्वसनीयता वाले 5000-6000 एचपी के रेंज के उच्चतर हॉर्स पावर वाले लोकोमोटिवों की आवश्यकता होगी। तदनुसार, बिहार के जिला सारन में नई लोकोमोटिव विनिर्माण सुविधा स्थापित की गई थी।

\*\*\*\*\*\*